सोमवार, 01 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक
सिटी न्यूज़ मुंबई
सच का जोश

YouTube LIVE STREAM

वर्ष 13 • अंकः 130 CITY NEWS MUMBAI

आईएएस अधिकारी नितिन करीर बने नए मुख्य सचिव

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी नितिन करीर को राज्य का अगला मुख्य सचिव नियुक्त किया है। करीर महाराष्ट्र कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और फिलहाल अपर मुख्य सचिव (वित्त) हैं। करीर ने 31 दिसंबर की शाम को पदभार संभाला। उन्होंने वरिष्ठ नौकरशाह मनोज सौनिक की जगह ली है। राज्य सरकार शेष पृष्ठ 7 पर

मोदी ने 2024 की शुभकामनाएं दी, बताया 108 का महत्व

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 2024 की शुभकामनाएं देते हुए आज 'मन की बात' के 108वी कड़ी के मौके पर 108 अंक का महत्व समझाया और कहा कि यह अध्ययन का विषय है।
श्री मोदी ने आकाशवाणी के माध्यम से अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 108वीं कड़ी के प्रसारण के दौरान देशवासियों को वर्ष 2024 की शुभकामनाएं दी और कहा कि 108वीं कड़ी में लोगों से जुड़कर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है।

उन्होंने 'मन की बात' की 108वीं कड़ी के प्रसारण के अवसर पर 108 अंक का महत्व बताते हुए कहा, ₹यह हमारी साझा यात्रा की 108वीं कड़ी है। हमारे लिए 108 अंक का महत्व और इसकी पवित्रता गहन अध्ययन का विषय है। माला में 108 मोती, 108 बार जप, 108 दिव्य स्थल, मंदिरों में 108 सीढ़ियाँ, 108 घंटियाँ, यह संख्या 108 अपार आस्था से जुड़ी है। इसलिए 'मन की बात' का 108वां एपिसोड मेरे लिए और भी खास बन गया है। इन 108 प्रकरणों में हमने जनभागीदारी के अनेक उदाहरण देखे हैं और उनसे प्रेरणा ली है।" इस मौके पर देशवासियों को वर्ष 2024 की शेष पृष्ठ 7 पर

सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और उद्धव गुट में ठनी? संजय राउत बोले- 'मल्लिकार्जुन खरगे से हो गई है बात'

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कल कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर महाविकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगियों के बीच कोई खींचतान नहीं है. उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी और दिल्ली तथा महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं के बीच एक ''बेहतर समझ'' है.राउत ने शुक्रवार को कहा था कि उनकी पार्टी अगले साल लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 में से 23 सीट पर लड़ेगी. प्रदेश कांग्रेस ने राउत की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी. इसके बाद पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा था कि वह ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे एमवीए गठबंधन को कोई नुकसान पहुंचे.

क्या बोले संजय राउत? शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने कहा, ₹कल ही मेरी मल्लिकार्जुन खरगे (कांग्रेस अध्यक्ष) से बातचीत हो गई... महाराष्ट्र के लिए

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक कमेटी की स्थापना की है. पहले उनसे बात होगी बाद में अगर हमें लगा तो हम मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात करेंगे.₹ संजय राउत ने आगे कहा, इस राज्य में एनसीपी,कांग्रेस और शिवसेना साथ है.

उम्मीदवारों के चयन पर कही ये बात राउत ने पुणे में पत्रकारों से कहा कि उम्मीदवारों के चयन में जीतने की क्षमता मानदंड होगी. उन्होंने कहा, ''महाविकास आघाडी के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे के मुद्दे पर कोई खींचतान नहीं है. हम (शिवसेना-यूबीटी) और दिल्ली के साथ-साथ महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेताओं के बीच अच्छी समझ है. गठबंधन को लेकर कुछ नेताओं की टिप्पणी पर ध्यान न दें.'' उन्होंने कहा, ''हम अपनी सीट की सूची के साथ तैयार हैं और टिकट उन उम्मीदवारों को दिया जाएगा जिनमें चुनाव जीतने की क्षमता होगी.'' एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), शेष पृष्ठ 7 पर

क्या शरद पवार 2024 में बने रहेंगे राजनीति के 'चाणक्य'?

➔ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए नया साल कई टेस्ट लेगा
➔ मराठा आरक्षण की चुनौती के साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव हैं

मुंबईः महाराष्ट्र के लिए अगला साल एक चुनावी साल है। साल की शुरुआत में जहां लोकसभा चुनावों की तैयारियां तेज होंगी और फिर अप्रैल मई में चुनावी महौल होगा। तो वहीं साल के अंत में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होंगे। ऐसे में 2024 को साल महाराष्ट्र के दिग्गज नेताओं और दलों के लिए काफी अहम माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि 2024 का साल नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला

करेगा। साल 2024 महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के साथ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए कैसा रहेगा आध्यात्मिक गुरु सदागुरु श्री दयाल (डॉ. स्वामी आनंद जी) का अनुमान लगाया है।

विरोधी खौफजदा बने रहेंगे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार के लिए की हर चाल विरोधियों को बेचैन करती है। उनके बारे में कहा जाता है कि उन्हें समय से पहले शेष पृष्ठ 7 पर

नए साल पर मीरा-भाईंदर में आवारा कुत्तों की खैर नहीं! मनपा 5 दिन तक चलाएगी विशेष मुहिम

मीरा-भाईंदरः मीरा-भाईंदर महानगर पालिका शहर के आवारा कुत्तों के टीकाकरण की मुहिम शुरू करने जा रही है। मनपा की योजना शहर के आवारा कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी की भी है। मनपा पशु-वैधकीय विभाग के डॉ. विक्रम निराटले ने बताया कि 26 फरवरी 2024 से शेष पृष्ठ 7 पर

1 जनवरी यौमे-ए-पैदाइश पर विशेष।

स्वतंत्रता सेनानी शहीद बाबू गैनू सैय्यद

भारत देश पर अंग्रेज़ों की बुरी नीयत का अन्दाजा.होने के साथ ही उनकी रोकथाम की कार्यवाहियां उलमा-ए-दीन द्वारा जारी कर दी गई थी। फिर भी अंग्रेज़ अपनी सोची-समझी रणनीति एवं साजिशों के तहत देश की अलग-अलग रियासतों पर क़ब्जे जमाते जा रहे थे। अंग्रेजों के क़दम जैसे-जैसे आगे बढते गए, शांतिपूर्ण रोक थाम खूनी क्रांन्ति में बदलती गई। उस संघर्ष में दुश्मन के भी बहुत से व्यक्ति समय-समय पर मौत के घाट उतारते रहे। देशवासी भी अपना हक़ लेने के लिए शहीद होते रहे। शहादतों का यह सिलसिला वर्षो तक चलते रहने के बाद देश को आजादी हासिल हो सकी।देश के प्रत्येक स्तर के देशवासी ने जान निछावर करने के लिए खुद को पेश कर दिया। जहां हजारों पढ़ें-लिखे देशवासियों ने सोच-समझ कर, होश व हावस में देश पर अपनी जानें कुर्बान की है, वहीं बहुत से अनपढ़ देशवासियों ने आजादी हासिल करने के लिए सच्चे जोश और जज़्बे में अपने आपको निछावर कर दिया है। शहीद बाबू गैनू भी उनमें से एक जोशीले नौजवान थे। जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। उनके सच्चे जज़्बे और शहादत को देशवासियों का श्रद्धा भरा सलाम पेश है।सैयद शहीद बाबू गैनू का जन्म 1 जनवरी सन् 1908 में पुणे में हुआ। वह पुणे के एक ग़रीब परिवार से संबंध रखते थे। मुम्बई के एक सूती कपडा मिल में नौकरी करके अपना

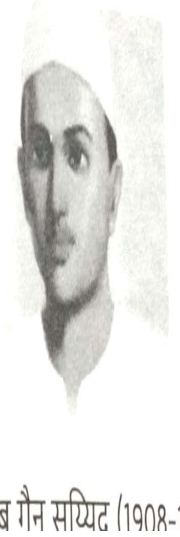
शहीद बाबू गैनू सय्यिद (1908-1930)

पेट पालते थे। उनका दिल वतन प्रेम के जज़्बे से भरा हुआ था। देश के बडे नेता आज़ादी के लिए जब भी कोई आन्दोलन छेड़ते ,बाबू गैनू भी उसमें बहुत ज्यादा दिलचस्पी लिया करते थे। इसी कारण उन्हें अंग्रेजों से बहुत नफरत हो गई थी। सच तो यह है कि वह आजादी के मतवाले थे। उस समय देश भर में आज़ादी के लिए कोई न कोई आन्दोलन ,सत्याग्रह, जलसे जुलूस ,विदेशी माल का बायकाट आदि की कार्यवाहियां चलती रहती थीं। 1930 में गांधी जी ने नमक सत्याग्रह आन्दोलन शुरू किया। देश भर से उन्हें समर्थन मिल रहा था। हज़ारों लोग आन्दोलन में शरीक थे। आन्दोलन को सैय्यद बाबू गैनू का भी समर्थन प्राप्त था। 12 दिसम्बर 1930 में विदेशी कपड़े का विरोध भी जोरों पर था। लोगों द्वारा विदेशी कपड़ों की दुकानें बंद करवाई जा रही थी। जहां अंग्रेजों के विरोध में यह कार्यवाहियां हो रही थीं, वहीं उनके पक्षधर भी मौजद थे।मुंबई के मूलजी जेठा मार्केट में विदेशी कपड़ों से भरा हुआ एक ट्रक आया। आन्दोलनकारियों द्वारा उस ट्रक को रोकने के प्रयास किए गए। कुछ व्यक्ति अगर ट्रक ड्राइवर को गुस्से में आंखें दिखा रहे थे, तो कुछ खुशामद करके ट्रक को वापस ले जाने की मिन्नत-समाजत (विनती) भी कर रहे थे। ज़िद्दी ट्रक ड्राइवर विदेशी कपड़ों के ट्रक को वापस ले जाने को तैयार नहीं था।बाबू गैनू सय्यिद ख़ामोश खड़े उस विवाद का हल सोच रहे थे। अचानक उनके मन में हुब्बुल-वतनी (वतन प्रेम) का जज़्बा जोश मारने लगा। वह आन्दोलनकारियों को समर्थन देने के लिए मैदान में कूद पड़े। उन्होंने ट्रक वाले को चेतावनी भरे अन्दाज़ में वापस ले जाने को कहा। जब वह इस पर तैयार नहीं हुआ तो बाबू गैनू ने गुस्से में आ कर कहा के ट्रक अगर बाज़ार में गया तो मेरे सीने पर से चढ़ाते हुए ले जाना पड़ेगा। यह कहते हुए वह जोश में आ कर बीच सड़क पर ट्रक के सामने लेट गए। उनकी इस कार्यवाही से लोगों को यह भरोसा हो गया कि ट्रक अब मार्केट में आगे नहीं जा सकता। उसे वापस लौटना ही पड़ेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ट्रक ड्राइवर ने भी ज़िद में आकर उसे बाबू गैन सय्यिद के सीने के ऊपर चढ़ा दिया। भारी भरकम ट्रक ने उनकी हड्डियों और पसलियों को चकनाचूर करत हुए उनके खून से धरती को लाल कर दिया। चारों ओर से हंगामा मच गया। उस ग़रीब जज़्बाती स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ने जीते जी ट्रक को आगे नहीं बढ़ने ना दिया। उसे अपने पवित्र ख़ून से धरती को लाल करना मंजूर था। लेकिन आज़ादी के आन्दोलन में किसी तरह की रुकावट मंज़ूर नहीं थी।शहीद सैय्यद बाबू गैनू स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का देश के लिए अपनी जान को निछावर कर देना उनकी आज़ादी से मुहब्बत, देश प्रेम और देश से वफ़ादारी का खुला हुआ सुबूत है।

देश के शहीदों में बाबू गैन सय्यिद का नाम अमर रहेगा।संदर्भ-Bombay Samacha ,15 December 1930 (जैसा उद्धत है-Source Material for a History of Freedom Movement in India Vol.XII, Government of Maharashtra Mumbai 2007)2.मेवाराम गुप्त सितोरिया , हिन्दुस्तान की जंगे आजादी के मुसलमान मुजाहिदीन , किताबदार ,मुम्बई , 1988 एवं 2012, पृष्ट 1003.खालिद मोहम्मद ख़ान ,जंगे आजादी और मुसलमान,2019,पृष्ट 214संकलन हसरत अली शेरपुर जिला मुज़फ़्फ़रनगर उत्तर प्रदेश

उस कंट्रोल रूम से पूरे मेले पर नजर रखी जाएगी। गंगासागर मेले के चारों ओर सुरक्षा क्षेत्र बनाया गया है।

प्रियंका गांधी नए साल पर गाजा पीड़ितों को याद करने का किया आग्रह, कही यह बात

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को लोगों से गाजा में पीड़ितों को याद करने का आग्रह किया। उन्होंने दुनियाभर के तथाकथित नेताओं को चुपचाप तमाशा देखने और सत्ता और लालच की तलाश में बेपरवाह आगे बढ़ने के लिए फटकार लगाई। नए साल की पूर्व संध्या पर एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जहां हमारे बच्चे जश्न मना रहे हैं, वहीं गाजा में लोगों के बच्चों की बेरहमी से हत्या की जा रही है। प्रियंका गांधी ने आगे कहा, 'जैसा कि हम एक नए साल की शुरुआत का जश्न मनाते हैं और एक-दूसरे को ढेर सारी प्यारभरी शुभकामनाएं देते हैं, ठीक इसी तरह हम गाजा में अपने भाइयों और बहनों को याद करें जो अपने जीवन, सम्मान और स्वतंत्रता के अधिकार पर सबसे अन्यायपूर्ण और अमानवीय हमले का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे बच्चे जश्न मना रहे हैं, लेकिन उनके बच्चों की बेरहमी से हत्या की जा रही है। दुनिया के तथाकथित नेता चुपचाप देखते हैं और सत्ता और लालच की तलाश में बिना किसी चिंता के आगे बढ़ते रहते हैं।' फिर भी लाखों आम लोग हैं जो गाजा में हो रही भयानक हिंसा को खत्म करने की मांग करते हुए अपनी आवाज उठा रहे हैं। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी गाजा में हिंसा के खिलाफ मुखर रही हैं और वहां तत्काल युद्धविराम की मांग कर रही हैं। वहीं, 7 अक्तूबर को दक्षिणी इस्राइल पर हमास के घातक हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में 21,600 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

नए साल के स्वागत के लिए उमड़े लोग, मॉल और बाजारों में गहमागहमी, रेस्टोरेंट और होटल गुलजार

शानदार, भव्य... अलौकिक, नए साल का ऐसा नजारा नवाबों की नगरी में ही दिख सकता है। हजरतगंज से लेकर 1090 चौराहे और इंदिरानगर से लेकर कृष्णानगर तक, नए साल के जश्न को मनाने के लिए लोग घरों से निकले। लुलु, पलासियो, फन और सहारा मॉल में भी रौनक नजर आई। कई जगहों पर डिस्को नाइट का आयोजन किया गया। बाइकों पर सवार युवाओं ने जय श्रीराम, भारत माता की जय के जयघोष लगाते नजर आए। इतना ही नहीं हजरतगंज में लोगों ने अपनी गाड़ियों पर केक रखकर काटा और नए साल की शुभकामनाएं एक-दूसरे को दी। वहीं शहर के कई इलाकों में लोगों ने फिल्मी गीतों पर ठुमके भी लगाए। हालांकि, उपद्रव की स्थितियां न पैदा हों, इसके लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। राजधानी में हजरतगंज, अलीगंज, 1090, आलमबाग, चौक, इंदिरानगर, विकासनगर, पुराने शहर आदि जगहों पर बैरिकेडिंग लगाकर ओवरस्पीडिंग से वाहन चालकों को रोका। साथ ही पुलिस टीमों ने सड़कों पर गश्त भी की। इतना ही नहीं नए साल के जश्न का माहौल होटलों व रेस्टोरेंट में भी देखने को मिला।

रातभर चलती रही बधाइयां

नए जश्न के आगाज के साथ ही बधाइयों का भी तांता लगा रहा। लोग एक-दूसरे को मैसेज व व्हाट्सएप के जरिए नए साल की बधाइयां देते रहे। सोशल मीडिया पर लोगों ने नए साल की रील्स भी बनाईं, जो देखने लायक रहीं।

आरिफ मोहम्मद खान ने बताई राम की अहमियत; इंद्रेश कुमार बोले- विवाद दूर करने के लिए संवाद जरूरी

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भारत के वेद पुराणों और रामायण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस्राइल और हमास के हिंसक संघर्ष के साथ-साथ रूस और यूक्रेन के झगड़े को खत्म करने में भगवान राम और उनके चरित्र से जुड़ी अहम बातों को रेखांकित किया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ₹राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर - एक साझी विरासतः कुछ अनसुनी बातें₹ शीर्षक वाली पुस्तक का विमोचन किया गया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और गीता सिंह ने मिलकर यह किताब लिखी है। प्रस्तावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने लिखी है। विमोचन के समय संघ के वरिष्ठ नेता और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा, जो बेजुबान की जुबान भी जनता है वही राम हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी विवाद दूर करने के लिए संवाद जरूरी है। पुस्तक विमोचन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान समेत देश भर से आए मुस्लिम समुदाय के गणमान्य लोगों ने भी भाग लिया। राज्यपाल ने कहा कि इंसान एक महत्वाकांक्षी प्राणी है। अपनी ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए अनैतिक काम करने से भी नहीं हिचकिचाता। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर ख्वाहिशों को आदर्श करने वाला कोई न हो अर्थात मर्यादित करने वाला कोई न हो तो महत्वकांक्षा बेलगाम हो जाती है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की जरूरत समाज के हर तबके में है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि जो बेजुबान की भी जुबान जानता है वही खुदा है, वही परमेश्वर है, वही गॉड है, वही राम है। उन्होंने कहा कि पुस्तक विमोचन में देश भर से आई जनता ने साबित कर दिया है कि हम एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। सरसंघचालक मोहन भागवत ने ठीक कहा था कि हम सभी का डीएनए एक है। इंद्रेश कुमार के मुताबिक जहां विवाद है वो सभी आगे आने वाले दिनों में संवाद से हल किए जा सकते हैं। इसके लिए सभी धर्मों को आगे आकर विचार करना होगा। इंद्रेश कुमार ने आगामी 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से दिन के 1 बजे तक दरगाहों, मदरसों, मकतबों, मस्जिदों में अपने अपने धर्मों के हिसाब से देश की उन्नति, प्रगति, सौहार्द के लिए इबादत करने की अपील की। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसी दिन शाम को चिराग रोशन किए जाने की अपील भी की। राम लला की स्थापना के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता 6 दिन से लेकर 15 दिनों तक पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचेंगे।

समारोह में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, इस पुस्तक की वर्तमान समय में बहुत आवश्यकता थी। राम जन्मभूमि के संबंध में इससे पहले जो भी किताबें आईं उसमें दो समुदायों के बीच वैमनस्य का आभास होता था। ऐसा लगता था जैसे मुस्लिमों के खिलाफ कोई साजिश हुई है। इसलिए इस किताब का बहुत अधिक महत्व है।

पूर्व में भ्रम की स्थिति फैलाई गई। मुसलमान और ईसाई के संबंध में किताब सवाल करती है कि क्या राम जन्मभूमि का आंदोलन सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ था? उन्होंने महमूद गजनी का जिक्र कर भारत में लूट.. की चर्चा भी की।

लोकसभा व विधानसभा चुनावों में नए कीर्तिमान होंगे स्थापित : जदयू

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और कहा कि कुमार के नेतृत्व में देशभर में पार्टी का झंडा बुलंद होगा और लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में नए कीर्तिमान स्थापित होंगे। कुशवाहा ने शनिवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि कुमार के मार्गदर्शन और अगुवाई में न सिर्फ जदयू बिहार की नंबर एक पार्टी बनेगी बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी का व्यापक विस्तार होगा। साथ ही आने वाले

□ नीतीश कुमार के जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में भी जदयू सफलता के नए कीर्तिमान और आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि जदयू का कार्यकर्ता होना उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि और कुमार के नेतृत्व में काम करना उनका सबसे बड़ा सौभाग्य है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी पार्टी न्याय के साथ समावेशी विकास के संकल्प पर चलते हुए समाजवादी संस्कार को जीवित रखने वाली देश की एकमात्र पार्टी है। हमारे नेता ने इस पार्टी को अपने संघर्ष और संस्कार से सींचा है। यही कारण है कि हमारी जड़ें इतनी गहरी हैं कि हमारे विरोधी लाख कोशिश करके भी उसकी थाह नहीं ले सकते। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा

नीतीश के नेतृत्व में देशभर में पार्टी का झंडा बुलंद होगा : उमेश सिंह कुशवाहा

कि देश की जनता को भी विश्वास है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही केंद्र में बैठी अलोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह का कार्यकाल बेहद प्रभावी और शानदार रहा। वहीं देखा जाए तो लोकसभा चुनाव 2024 के लिहाज से बिहार एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिसके भी साथ जाएंगे, उसके लिए बिहार में जीत के दरवाजे खुल जाएंगे। वर्तमान में, वह इंडिया गठबंधन के साथ खड़े हैं। यही कारण है कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 2024 के लोकसभा चुनाव तक आराम नहीं कर सकता है, क्योंकि इंडिया के नेताओं की केवल एक ही योजना है कि तीन राज्यों बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड से एनडीए की 40 से 50 सीटें कम की जाएं। 2019 के

नीतीश पर टिकीं आज पूरे देश की निगाहें : कुशवाहा

कुशवाहा ने कहा कि कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से देशभर में जदयू कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश की निगाहें कुमार पर टिकी हुई है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कुमार ही एकमात्र ऐसे नेता हैं जो गांधी, जयप्रकाश नारायण, लोहिया, अंबेडकर और कर्पूरी ठाकुर के समाजवादी विचारों को आगे बढा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नेता ने अपनी विश्वसनीय व्यक्तित्व और विजन के बदौलत संविधान में आस्था रखने वाले देशभर के विपक्षी पार्टियों को एकजुट किया है। आज हमारे नेता विपक्षी एकता की धुरी बनकर उभरे हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 18, बिहार में 17 और झारखंड में 12 सीटें जीतीं। पश्चिम बंगाल में टीएमसी बीजेपी का पुरजोर विरोध कर रही है। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली जेएमएम और कांग्रेस बीजेपी से लड़ रही हैं। लेकिन, बिहार में नीतीश कुमार के पलटीमार ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए बीजेपी को अभी भी उम्मीदें हैं।

त्रिपुरा में मानव तस्करों के खिलाफ की गई कार्रवाई

जांच एजेंसी (एनआईए) ने त्रिपुरा पुलिस की खुफिया शाखा की ओर से साझा किए गए इनपुट के आधार पर मानव तस्करों, ड्रग डीलरों और सीमा दलालों के खिलाफ शनिवार को दूसरे दिन भी त्रिपुरा में अपनी कार्रवाई जारी रखी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। त्रिपुरा पुलिस ने अब तक सीमा अपराध में शामिल 156 लोगों की सूची एनआईए के साथ साझा की है। एनआईए टीम और त्रिपुरा पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में शुक्रवार को तीन जिलों के चार थाना क्षेत्रों की सीमाओं से कम से कम छह लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान सिपाहीजला के सोनामुरा के मोहम्मद फारुक हुसैन (25), सुमन त्रिपुरा (33) और कोंगफरू मोग (32), दक्षिण त्रिपुरा के बेलोनिया के अमलेश दास (40), उनोकोटी जिले के ईरानी के नसीम अली (60) और उनके बेटे रूबेल अली (36) के रुप में की गई है। भारतीय शहरों में रोहिंग्या और बंगलादेश के नागरिकों की अवैध घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी और वर्जित वस्तुओं के अवैध व्यापार में उनकी संलिप्तता के लिये इस साल अक्टूबर में असम में दर्ज मामले के सिलसिले में उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर गुवाहाटी ले जाया जाएगा। एनआईए ने इससे पहले नवम्बर में त्रिपुरा के विभिन्न सीमावर्ती स्थानों से 29 लोगों को गिरफ्तार किया था।

मध्य प्रदेश में नेतृत्व के बदलाव का साल रहा 2023

30 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अनेक महत्वपूर्ण राजनैतिक घटनाओं का गवाह रहा वर्ष 2023 सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ ही मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में भी नेतृत्व परिवर्तन के लिए याद किया जाएगा। इस वर्ष हुए सोलहवें विधानसभा चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक विजय के साथ न सिर्फ सत्ता में बरकरार रही, बल्कि उसने इस राज्य में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। भाजपा की नई सरकार का गठन नए चेहरे एवं चौंकाने वाले नाम डॉ. मोहन यादव की मुख्यमंत्री के रूप में ताजपोशी के साथ हुआ।

इसके साथ ही मंत्रिमंडल के गठन में अपेक्षाकृत नए और युवा चेहरों को तवज्जो दी गई, हालाकि अनुभव को भी स्थान दिया गया है, लेकिन नौ बार के विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव जैसे नेताओं को भी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं देकर पार्टी ने संकेत दिया कि वह राज्य में नया नेतृत्व तैयार करना चाहती है। दूसरी ओर सत्ता में आने की उम्मीद के साथ वर्ष भर कार्य करती रही कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त झेलना पड़ी और वरिष्ठ नेता कमलनाथ की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से

□ नए मंत्रिमंडल के गठन में नए व युवा चेहरों को दी गई तवज्जो
□ कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में झेलना पड़ी करारी शिकस्त

भी विदाई हो गई। उनके स्थान पर युवा चेहरा के रूप में पूर्व मंत्री जीतू पटवारी और विधानसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर आदिवासी नेता उमंग सिंघार की ताजपोशी हुयी। इसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी को भी बदल दिया गया और नए प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह ने पहली यात्रा के दौरान ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी को भंग कर दिया। राज्य में वर्ष 2023 की शुरूआत विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ हुयी। प्रदेश भाजपा संगठन में जहां शुरूआती महीनों में सरकार और संगठन में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलबाजियां चलती रहीं, तो कांग्रेस संगठन पर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की मजबूत पकड़ दिखाई दी।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को नहीं बदला, लेकिन पहले संगठन और बाद में जनता को वह यह संदेश देने में कामयाब रही कि चुनाव में जीत के बाद सरकार नए स्वरूप में सामने आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने चुनाव प्रबंधन और रणनीति अपने हाथों में लेकर यह संदेश दिया। मोदी ने चुनाव के पहले दर्जनों सभाएं कीं, तो शाह ने संगठन और कार्यकर्ताओं की बैठक पूरे प्रदेश में लेकर पार्टी की जीत की संभावनाओं को मजबूती प्रदान की। वहीं कांग्रेस का चुनाव प्रचार अभियान सोशल मीडिया पर ज्यादा केंद्रित रहा और उसने कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर अपना अभियान केंद्रित किया। अनेक लोकलुभावन घोषणाएं भी की गईं।

भाजपा-कांग्रेस में देखने को मिला पीढ़ी बदलाव का दौर

विधानसभा चुनाव के तीन दिसम्बर को आए नतीजों के बाद भाजपा और कांग्रेस में पीढ़ी बदलाव का दौर एकसाथ देखने को मिला। नयी सरकार में जहां मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों के रूप अपेक्षाकृत कम उम्र के नेताओं को प्राथमिकता दी गई, तो कमोवेश कांग्रेस में भी चुनाव नतीजों के बाद युवा नेतृत्व का दबदबा दिखायी दिया। चुनाव के पहले तक पचहत्तर पार हो चुके वरिष्ठ नेताओं कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का बोलबाला रहा, लेकिन नतीजों के बाद पार्टीहाइकमान ने नयी पीढ़ी के हाथों में कमान सौंपकर अपनी भविष्य की रणनीति का भी ऐलान कर दिया। राज्य में वर्तमान में भाजपा की मजबूत स्थिति और केंद्रीय नेतृत्व के हाथों में प्रदेश की कमान होने के कारण सत्ता और संगठन के सभी महत्वपूर्ण निर्णय दिल्ली से ही होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अब सबकी निगाहें इस बात पर भी टिकी हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भविष्य में किस भूमिका में दिखाई देंगे।

सम्पादकीय

मास्क ही बचाव

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में गुरुवार को कोरोना के 594 नए मामले दर्ज किए गए। इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 2,669 हो गई, जो इससे एक दिन पहले 2,331 थी। देश में पिछले दो हफ्ते में कोरोना के 22 मरीजों की मौत हुई है। बुधवार तक देशभर में JN.1 वेरिएंट के 21 मामले पाए गए हैं।

कोरोना का नया सब-वेरिएंट

कोरोना के नए सब-वेरिएंट JN.1 ने एक बार फिर हलचल मचा दी है। यह दुनिया के 40 देशों में फैल चुका है। भारत में अब तक इसके 21 मामले सामने आए हैं। कोरोना के सभी मामलों को देखा जाए तो बुधवार को देश भर में 624 नए केस मिले, जो 21 मई 2023 के बाद से यानी पिछले सात महीनों में एक दिन में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। पिछले दो सप्ताह में भारत में कोरोना से 16 मौतें हुई हैं।

सारे केस सामने आएं

वैसे तो कोरोना की पिछली लहरों के मुकाबले यह संख्या गंभीर नहीं कही जाएगी, लेकिन शुरू में धीरे और फिर तेजी से फैलाव की इसकी प्रवृत्ति को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। इसीलिए सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। बुधवार को राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने टेस्टिंग बढ़ाने, सर्विलांस सिस्टम को मजबूत करने और सभी केसों की रिपोर्टिंग करने पर जोर दिया।

कोरोना संग जीना

महामारी शुरू होने के बाद से ही हम कोरोना के चले जाने और इसके फिर से आ धमकने की घोषणाएं सुनते रहे हैं। यह बात समझने की है कि कोरोना वायरस कभी गया नहीं था। न ही यह जाएगा। यह हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा बन चुका है और यहीं बना रहेगा। समय-समय पर इसके नए-नए वेरिएंट आते रहेंगे और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाते रहने होंगे।

WHO की हिदायत

जहां तक इसके नए सब-वेरिएंट JN.1 का सवाल है तो WHO ने भी इस पर नजर रखने की जरूरत बताई है। यह ऐसे समय उभरा है, जब पहले टीका ले चुके या इसकी चपेट में आ चुके लोगों में बनी एंटी बॉडी कमजोर हो चुकी है। इसके अलावा यह ठंड का मौसम है, जो वायरस के अनुकूल पड़ता है। भारत और अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जब नए वायरस की जीनोम एनालिसिस बढ़ेगी तो इसके व्यवहार से पता चलेगा कि इसकी संक्रामक और मारक शक्ति कितनी कम या ज्यादा है। लेकिन अब तक अन्य देशों के अनुभव से ऐसा नहीं लगता कि इसकी मारक शक्ति ज्यादा है। अगर संक्रमण तेजी से फैलता है तो भी इसका वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या ज्यादा है या नहीं। लेकिन दो-तीन दिनों का हल्का खांसी-बुखार भी न केवल लोगों की सेहत पर असर डालता है बल्कि दफ्तर में मौजूदगी को भी प्रभावित करता है। ऐसे में इसे हलके में लेने का कोई कारण नहीं है। अच्छी बात यह है कि जानकारों के मुताबिक चाहे नया सब-वेरिएंट हो या कोरोना के पुराने वेरिएंट, अच्छी क्वॉलिटी का फेस मास्क इससे बचाव का कारगर साधन है। इसलिए घबराने की बात नहीं है, लेकिन भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और अन्य सावधानियां बरतना हमें बड़ी परेशानियों से बचा सकता है।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर से लेकर लोकसभा के चुनाव तक, नए साल में इन घटनाओं का साक्षी बनेगा देश

अब हम नए साल में प्रवेश कर चुके हैं। जहां 2023 का कभी गम, कभी खुशी में बीता तो इस साल भी बहुत कुछ अच्छा होने की उम्मीद है। 2024 में कई ऐसी घटनाएं होने वाली हैं, जिन पर हर भारतवासी की नजर रहेगी। जहां लोकसभा चुनाव में जनता अपने पांच वर्षों का भविष्य तय करेगी तो वहीं साल की शुरुआत में ही राम मंदिर का उद्घाटन होगा। इसके अलावा खेल, सिनेमा और विज्ञान के क्षेत्र में भी बहुत कुछ होने वाला है।

राम आएंगे...

राम मंदिर का उद्घाटन इस साल की ऐसी घटना होगी, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी। जिस राम मंदिर के लिए दशकों तक लंबी कानूनी लड़ी गई, वो मंदिर अब आकार ले रहा है। अयोध्या में बन रहे विराट मंदिर के पहले चरण का कार्य पूरा होने जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होगी, जिसके बाद मंदिर लोगों के लिए खुल जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। इससे पहले 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी गई थी, जिसमें भी पीएम मोदी शामिल हुए।

लोकसभा चुनाव में इंडिया बनाम एनडीए की अग्निपरीक्षा

इस साल के सबसे बड़े घटनाक्रमों में आम चुनाव जरूर गिना जाएगा। मार्च के शुरुआत या मध्य में चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर सकता है. जहां देश में नौ साल से अधिक वर्षों से सत्ता में काबिज भाजपा तीसरी पारी खेलनी की उम्मीद करेगी तो वहीं दूसरी ओर संभावित इंडिया गठबंधन भी अपना दम दिखाने की कोशिश करेगा।

लोकसभा के साथ चार राज्यों में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी

लोकसभा के साथ ही चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। ये राज्य हैं आंध्र प्रदेश, ओडिश, सिक्किम, और अरुणाचल प्रदेश। फिलहाल आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर की सरकार है। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है, जिसके मुख्यमंत्री पेमा खांडू हैं। ओडिशा में लंबे समय से बीजू जनता दल सरकार में है, जहां की कमान नवीन पटनायक के हाथों में है। वहीं, सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा वाली पार्टी शासन कर रही है और इसके मुखिया प्रेम सिंह तमांग हैं।

अमेरिका में पहली बार टी20 विश्वकप, पहले नंबर पर मौजूद भारत की बड़ी उम्मीदें

क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी यह वर्ष खास रहने वाला है। क्रिकेट का फटाफट प्रारूप कहे जाने वाले टी20 विश्वकप 4 से 30 जून 2024 तक आयोजित किया जाएगा। 2024 टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज और अमेरिका करेंगे। यह पहली बार होगा, जब अमेरिका आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद भारतीय टीम टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में से होगी। पहले संस्करण की विजेता टीम में इस बार कई नए चेहरे दिख सकते हैं। वहीं यह देखना भी दिलचस्प होगा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। वहीं, विश्वकप के पहले आईपीएल के 17वें सत्र का भी आयोजन होगा। 2024 इंडियन प्रीमियर लीग 29 मार्च 2024 से 26 मई के बीच खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में जहां महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क पर लोगों की नजर रहेगी। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अन्य दिग्गज भी लाइमलाइट भी रहेंगे।

खेलों के महाकुंभ में टिकी रहेंगी भारतीय आशाएं

2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित किया जाएगा। 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक फ्रांस में इन खलों का आयोजन होगा। भारत भी पेरिस ओलंपिक में भाग लेगा लिहाजा कई कुश्ती, मुक्केबाजी, भाला फेंक, हॉकी जैसी कई स्पर्धाओं में पदक आने की उम्मीदें होंगी। इससे पहले कई खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है।

साल के अंत होते-होते चार और राज्यों में विधानसभा चुनाव की परीक्षा

इस साल सितंबर से दिसंबर के बीच चार और प्रदेशों में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी रहेगी। सबसे पहले सितबर में जम्मू-कश्मीर में चुनाव हो सकते हैं जो अपने आप में ऐतिहासिक होंगे। चुनाव से पहले परिसीमन की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। राज्य में धारा 370 निरस्त होने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव होगा। इस वक्त जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है। अक्तूबर में दो राज्यों में चुनाव होंगे और ये हैं हरियाणा और महाराष्ट्र। फिलहाल हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी और जननायक जनता पार्टी की साझी सरकार है और यहां के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर हैं। पिछले कुछ समय में गठबंधन में अनबन की खबरें आती रही हैं ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव में दोनों दल एक साथ जाएंगे या नहीं। इसके साथ महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में सत्ता और विपक्षी दोनों गठबंधन की परीक्षा होगी। यह चुनाव इसलिए भी अहम यह होगा क्योंकि पिछली बार जो एक साथ थे, अबकी बार वो खिलाफ हैं और जो खिलाफ थे, वो साथ हैं। इसके अलावा शिवसेना और एनसीपी में टूट के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव होगा जिसमें तमाम गुटों की अग्नि परीक्षा होगी। वर्तमान में राज्य में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और एनसीपी (अजित गुट) सरकार में हैं। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। साल के अंत में झारखंड में विधानसभा चुनाव होगा। कथित भ्रष्टाचार मामले में लगातार ईडी की राडार पर रहे हेमंत सोरेन के सामने सत्ता बचाने की चुनौती होगी। फिलहाल यहां महागठबंधन सत्ता में है जिसके भाग झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस हैं। राज्य के मुख्यमंत्री झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन हैं।

शुरू हो जाएंगी दिल्ली चुनाव की हलचलें

साल के अंत होते-होते दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेज हो जाएगी। यह चुनाव इसलिए बड़ा अहम होने जा रहा है क्योंकि दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आप के कई बड़े नेता जेल में बंद हैं। वहीं खुद पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाले में जांच एजेंसियों के राडार पर हैं। ईडी ने उन्हें समन भेजकर अगले साल की शुरुआत में ही पूछताछ के लिए बुलाया है। बता दें कि पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी ने प्रचंड बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाई थी और अरविंद केजरीवाल लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बने थे। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी 2025 को समाप्त होने वाला है।

इसरो के खास मिशन दिलाएंगे बड़ी सफलता

भारत के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में यह साल काफी अहम रहने वाला है। एक जनवरी 2024 को ही इसरो एक्सपोसैट मिशन प्रक्षेपित करेगा। इसे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से किया इसे लॉन्च किया जाएगा। एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट (XPoSat) का उद्देश्य अंतरिक्ष में तीव्र एक्स-रे स्रोतों के ध्रुवीकरण की जांच करना है। इसके बाद निसार जनवरी 2024 में ही INSAT-3DS प्रक्षेपण के लिए तैयार है। INSAT-3DS भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली (INSAT) श्रृंखला के भीतर एक महत्वपूर्ण संचार उपग्रह है। इसका प्राथमिक मिशन मौसम प्रणालियों की निगरानी करना, आपदा प्रबंधन को सुविधाजनक बनाना और मौसम संबंधी पूर्वानुमानों में सुधार करना है। NISAR फरवरी 2024 में लॉन्च के लिए निर्धारित है। नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR) नासा और इसरो के बीच एक साझा मिशन है। यह उपग्रह रिमोट सेंसिंग में क्रांति लाएगा, हर 12 दिनों में दुनिया की मैपिंग करेगा। इसके द्वारा एकत्र किया गया डेटा पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र, बर्फ द्रव्यमान, वनस्पति बायोमास, समुद्र के स्तर में वृद्धि, भूजल और भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी और भूस्खलन सहित प्राकृतिक खतरों के बारे में अहम सूचनाएं प्रदान करेगा। गगनयान 1 मिशन 2024 के अंत में लॉन्च हो सकता है। तीन चालक दल के सदस्यों को अंतरिक्ष ले जाने वाली यह परीक्षण उड़ान, भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन का उद्देश्य भविष्य में मानवयुक्त अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए तैयारी करना है। 2024 में लॉन्च होने वाले एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट को ब्रह्मांडीय एक्स-रे के ध्रुवीकरण की जांच करने के लिए डिजाइन किया गया है। वीनस ऑर्बिटर मिशन के तहत इसरो ने शुक्रयान-1 लॉन्च करने की योजना बनाई है। यह पांच साल के लिए शुक्र की कक्षा में जाने वाला एक अंतरिक्ष यान है। दिसंबर 2024 या 2025 के लिए निर्धारित इस मिशन का लक्ष्य शुक्र के वातावरण का अध्ययन करना है।

इस साल ये बड़ी फिल्में भी दर्शकों का लुभाएंगी मन

खेल, राजनीति के साथ-साथ सिनेमा में भी इस साल बहुत कुछ खास होगा। 2023 की तरह नए साल यानी 2024 में भी कई एक्शन फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं।

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की हवाई एक्शन फिल्म 'फाइटर' 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सिद्धार्थ मल्होत्रा की एक्शन फिल्म 'योद्धा' 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट शार्दूल ठाकुर टीम इंडिया से बाहर

(एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया को झटका लगा जब हरफनमौला शार्दुल ठाकुर को अभ्यास के दौरान कंधे पर चोट लग गई। इस चोट की गंभीरता का अभी तक पता नहीं लग पाया है और संभवत: उनका स्कैन भी हो सकता है।

ऐसी भी आशंका जतायी जा रही है कि कंधे की चोट के कारण शार्दुल दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो सकते है। चोट लगने के बाद शार्दुल दर्द से कराहते हुए नजर आए और इसके बाद उन्होंने नेट्स में गेंदबाज़ी नहीं की। दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ भारत का दूसरा टेस्ट मैच तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू होगा। इस वैकल्पिक अभ्यास सत्र में आने वाले शार्दुल पहले खिलाड़ी थे। शार्दुल को बाएं कंधे पर उस समय चोट लगी, जब भारतीय टीम का सपोर्ट स्टाफ़ उन्हें थ्रोडाउन पर अभ्यास करा रहा था। इसके बाद वह दर्द से कराहने लगे। बल्लेबाजी खत्म करने के बाद फिजियो ने उनके कंधे के चारों ओर आइस पैक लगाया और उन्होंने फिर नेट में कोई अभ्यास नहीं किया। यह हल्की चोट हो सकती है लेकिन यह देखना होगा कि चोट कितनी जल्दी ठीक होती है। बॉक्सिंग डे टेस्ट तीन दिन में ही ख़त्म होने के बाद भारतीय टीम प्रबंधन ने सेंचुरियन में यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र रखा था। पहले टेस्ट में गेंदबाज़ी के क्षेत्र में 19 ओवर में 101 रन देकर एक विकेट लिया था। उसमें दो ओवर मैडन थे। वह बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका, तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी हुए दूसरे टेस्ट से बाहर

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी चोट के चलते टीम से बाहर हो गए हैं। इससे पहले साउथ अफ्रीका टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा पैर में खिंचाव चलते टीम से बाहर हो गए थे।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। सीएसए ने बताया कि कोएत्जी के पेल्विक में सूजन है। पहले टेस्ट मैच के दौरान उन्हें यह तकलीफ थी, लेकिन दूसरे मैच से उन्हें बाहर कर डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। आगामी सीरीज को देखते हुए बोर्ड ने यह फैसला किया है। बोर्ड ने बताया कि शुक्रवार को कोएत्जी का स्कैन कराया गया, जिसमें उनकी चोट की गंभीरता का पता चला। आज आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया कि तेज गेंदबाज को एहतियात के तौर पर टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने एहतियात के तौर पर कोएत्जी को टीम से बाहर रखने का फैसला किया है। उन्होंने कोएत्जी के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि कोएत्जी के बाहर होने से दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट में लुंगी एनगिडी को टीम में शामिल कर सकती है। इससे पहले सेंचुरियन में एक पारी और 32 रनों से शानदार जीत दर्ज कर दक्षिण अफ्रीका दो मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है। डब्ल्यूटीसी 2023-25 स्टैंडिंग में दक्षिण अफ्रीका शत-प्रतिशत अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है। इस बीच, भारत को सेंचुरियन टेस्ट में पारी और 32 रन की हार के साथ-साथ दो ओवर कम फेंकने के लिए दो महत्वपूर्ण डब्ल्यूटीसी अंक खोने का भी सामना करना था। मौजूद समय में भारत 38.89 प्रतिशत अंक के साथ छठे स्थान पर है।

दूसरे टेस्ट मैच के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं

डीन एल्गर (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, जुबैर हम्ज़ा, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन शामिल हैं।

मुझे हमेशा ऑस्ट्रेलिया में खेलना पसंद है : एंडी मरे

पूर्व ब्रिस्बेन अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन एंडी मरे और कैरोलिना प्लिस्कोवा शनिवार को क्रींसलैंड टेनिस सेंटर में आधिकारिक टूर्नामेंट ड्रा के लिए मौजूद थे। ब्रिस्बेन में दो बार के चैंपियन मरे और तीन बार की विजेता प्लिस्कोवा के साथ उभरते ऑस्ट्रेलियाई स्टार और गोल्ड कोस्ट के स्थानीय खिलाड़ी किम्बर्ली बिरेल भी शामिल हुए। मरे ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापस आकर रोमांचित हैं, जहां उन्होंने 2012 और 2013 का खिताब जीता था। उन्होंने कहा, मुझे ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा पसंद है और ब्रिस्बेन में साल की शुरुआत करना मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है।मुझे लगता है कि 2018 आखिरी बार था जब मैं यहां था, इसलिए वापस आना अच्छा है।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन उस समय कम प्रभावित हुए जब 32-खिलाड़ियों के ड्रा में उनका अंतिम नाम रखा गया, जिससे उन्हें दूसरे वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव के खिलाफ खड़ा होना पड़ा। यह ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2013 फाइनल का रीमैच स्थापित करता है। एक अन्य पूर्व विश्व नंबर 1, राफेल नडाल, शुरुआती दौर में क्वालीफायर से भिड़ेंगे, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त होल्गर रूण ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल से भिड़ेंगे। महिला एकल ड्रा को इस वर्ष बढ़ाकर 48 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो पिछले संस्करणों की तुलना में 30 की उल्लेखनीय वृद्धि है।

16 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों, जिनमें विश्व नंबर 2 आर्यना सबालेंका और विश्व नंबर 4 एलेना रिबाकिना शामिल हैं, को शुरुआती दौर में बाई मिली है। नंबर 16 सीड प्लिस्कोवा ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने पिछले 17 मैचों में से 16 जीते हैं। इसमें 2017, 2019 और 2020 में खिताब शामिल हैं। प्लिस्कोवा ने कहा, यह साल का पहला टूर्नामेंट है और अच्छी शुरुआत करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है, जो मैंने पिछले वर्षों में किया था।

सात्विक, चिराग, प्रणय जैसे भारतीय इंडिया ओपन

- सुपर 750 बैडमिंटन में रैंकिंग बेहतर करने उतरेंगे
- लक्ष्य सेन और प्रियांशु में से एक का एकल प्री क्वॉर्टर फाइनल में स्थान पक्का

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (देशबन्धु)। भारतीय बैडमिंटन खिलाडियों के लिए यहां योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट बेशकीमती अंक हासिल कर 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का बेहतरीन मौका है। 16 से 21 जनवरी, 2024 तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट का ड्रॉ घोषित कर दिया गया। इसमें एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी और कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय 2024 के पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी विश्व रैंकिंग को बेहतर करने के मकसद से उतरेंगे वहीं दुनिया के पूर्व नंबर. 1 खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन और उदीयमान प्रियांशु रजावत पेरिस में दूसरे भारतीय के रूप स्थान बनाने की पुरजोर कोशिश करेंगे। पेरिस ओलंपिक क्वॉलिफिकेशन नियमों के मुताबिक दो भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी इन खेलों में तभी शिकरत कर पाएंगे जब 30 अप्रैल, 2024 को खत्म होने वाली ओलंपिक क्वॉलिफिकेशन प्रक्रिया के अंत में दोनों को शीर्ष 16 में स्थान दिया गया हो। योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन को पिछले साल सुपर 500 से सुपर 750 श्रेणी में अपग्रेड किया गया था।यानि की खिलाड़ी ओलंपिक योग्यता के लिए अपने अभियान में खासी उंची रैंकिंग के अंक अर्जित कर सकते हैं। फिलहाल विश्व रैंकिंग के लगभग सभी शीर्ष दस खिलाड़ी केडी जाधव इंडोर हॉल में खेलते में दिखेंगे।

भारतीय खिलाडियों में लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत में से एक का एकल प्री क्वॉर्टर फाइनल में स्थान पक्का है क्योंकि पुरुष एकल के शुरुआती दौर में युवा खिलाड़ी एक.दूसरे के सामने होंगे। वहीं आठवीं वरीयता प्राप्त भारत के प्रणय अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चोउ चेन के खिलाफ मैच से करेंगे और पहले दौर की बाधा पार करने के बाद वह लक्ष्य सेन और रजावत के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। पूर्व चैंपियन किदाम्बी श्रीकांत रैंकिंग में फिलहाल 24वें स्थान पर हैं।

शुरुआती दौर में हांगकांग के ली चेउ यियू से भिड़ेंगे और दूसरे दौर में उनका मुकाबला मौजूदा चैंपियन थाईलैंड के कुनलावुत विदित्सर्न से हो सकता है। पुरुष युगल में पूर्व चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग की जोड़ी शुरुआती दौर में दुनिया के 25वें नंबर के ताइपे के फैंग जेन ली और फैंगचिह ली की जोड़ी के खिलाफ अपनी चुनौती का आगाज करेगी और इनके प्रतियोगिता में और आगे जाने की उम्मीद है। ट्रिसा जोली व गायत्री गोपीचंद और अश्विनी पोनप्पा व तनिषा क्रेस्टो की महिला युगल जोड़ी भी ओलंपिक स्थान के लिए आमने सामने होंगी। ऑल इंग्लैंड के अंतिम चार में पहुंचने वाली भारत की ट्रिसा और गायत्री की जोड़ी को चौथी वरीयता प्राप्त जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी से कड़ी चुनौती मिलेगी। वहीं 2023 में लगातार तीन फाइनल में जगह बनाने वाली अश्विनी और क्रैस्टो की जोड़ी पहले दौर में दुनिया की दसवें नंबर की थाईलैंड रविंदा प्राजोंगजई और जोंगकोलफान किंतिथाराकुल की थाई जोड़ी के सामने होगी।

गोलकीपर सविता ओलंपिक महिला हॉकी क्वॉलिफायर्स 2024 में भारत की कप्तान, वंदना होंगी उपकप्तान

लगातार तीसरी बार एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीतने वाली अनुभवी सविता रांची में 13 से 19 जनवरी, 2024 तक होने वाले एफआई हॉकी ओलंपिक क्वॉलिफायर्स, 2024 में भारत की 18 सदस्यीय महिला हॉकी की कप्तान होंगी जबकि अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया टीम की उपकप्तान होंगी। वंदना कटारिया हाल ही में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 300 अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं। भारत की महिला हॉकी टीम ने हांगजू (चीन) एशियाई खेलों में यह मिले ज्यादा पेनल्टी कॉर्नरों का सही उपयोग कर गोल किए होते तो बहुत मुमकिन था वह स्वर्ण जीत सीधे ही 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई कर लेता। भारतीय टीम में विशेषज्ञ ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर को टीम में जगह नहीं मिली है। ओलंपिक क्वॉलिफायर्स में बड़ा सवाल यह रहेगा कि

का कितना उपयोग कर पाएंगी जबकि इन दोनों के लिए पांच दिन के भारत के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय ड्रैग फ्लिकर ड्रैग फ्लिकिंग शिविर का आयोजन किया गया था। हॉकी इंडिया ने गुरजीत कौर को टीम में शामिल न करने पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया था जबकि वह हाल में वेलेंशिया(स्पेन) में शिरकत कर वहां पांच देशों के हॉकी टूर्नामेंट में शिरकत करने वाली टीम का हिस्सा थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम को 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करने के लिए शीर्ष तीन में स्थान रहना होगा। भारत की महिला हॉकी टीम ओलंपिक क्वॉलिफायर्स में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ पूल बी मे है और जबकि जर्मनी, जापान, चिली और चेक रिपब्लिक की टीमें पूल ए में हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम अपने अभियान का आगाज 13 जनवरी को अमेरिका के खिलाफ मैच से करने के बाद 14 जनवरी को न्यूजीलैंड और फिर अपने अंतिम पूल बी मैच में 16 जनवरी को

¢ ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर को नहीं मिली टीम में जगह

भारतीय महिला हॉकी टीम की चीफ कोच यांकी शॉपमैन ने चुनी गई टीम की बाबत कहा, % एफआईएच ओलंपिक क्वॉलिफायर्स 2024 हमारे लिए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करने के लिए खासा अहम है और हमारे लिए उम्मीदों पर खरा उतरा जरूरी है। हमारी भारतीय महिला हॉकी टीम की सभी खिलाड़ी 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करने के लिए शिद्दत से जुटी है। हमने हर विभाग में खिलाड़ी के कौशल और अनुभव को तवज्जो देते हुए खासी संतुलित टीम चुनी है। हमारी टीम की कप्तान सविता और उपकप्तान अपने लंबे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी करियर में अभी तक बहुतेरे दबाव से गुजरी हैं और ये दोनों ही ओलंपिक हॉकी क्वॉलिफायर्स 2024 बाकी टीम का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं।'

एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक 2024 क्वॉलिफायर के भारतीय टीम

रांची महिला हॉकी ओलंपिक क्वॉलिफायर्स 2024 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम :

गोलरक्षक : सविता और बिच्छू देवी खरीबम।

रक्षापंक्ति : निकी प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका।

मध्यपंक्ति :निशा वारसी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा गोयल, नवनीत कौर, सलीमा टेटे, सोनिका, ज्योति , ब्यूटी डुंगडुंग

अग्रिम पंक्ति : ललरेमसियामी संगीता

सेंचुरियन में विराट ने बताया कि वे क्यों हैं महान

सेंचुरियन में मिली करारी हार से भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का इंतजार भले ही बढ़ गया हो मगर उछाल लेती पिच पर विराट कोहली के बिंदास अंदाज ने दुनिया को बता दिया कि उन्हे महान बल्लेबाज क्यों कहा जाता है।

सेंचुरियन की उछाल और स्विंग लेती पिच पर दूसरी पारी में जब भारत के अन्य बल्लेबाज मैदान के अंदर और बाहर चलने की औपचारिकता निभा रहे थे, तब त्रुटिहीन टाइमिंग से लेकर बेहतरीन ड्राइव की बदौलत पूर्व भारतीय कप्तान दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के हर हमले का बखूबी जवाब देने में व्यस्त थे।

पारी के छठे ओवर में कोहली का स्वागत नांद्रे बर्गर की एक छोटी गेंद से किया गया जिससे अनुभवी भारतीय बल्लेबाज के इरादे स्पष्ट हो गए। पहली 12 गेंदों को बिना खाता खोले जाने देने के बाद किंग कोहली ने मार्को जानसन के खिलाफ एक शानदार कवर ड्राइव के साथ अपना खाता खोला। तीन गेंदों के बाद जानसन ने कोहली को हवा में मारने का लालच दिया और कोहली ने इस दुबले-पतले खिलाड़ी को निराश नहीं किया और पॉइंट क्षेत्र के ऊपर से जॉनसन को रस्सियों से दूर फेंक दिया।

गेराल्ड कोएट्ज़ी लेग साइड में कोहली के बल्ले को परखना चाहते थे और उन्होंने उनके पैड पर कुछ गेंदें डालीं। मिडिल और लेग स्टंप पर नज़र रखते हुए उन्होने भारतीय रन मशीन को काबू में रखने की

को कोहली ने अपने संतुलन को बरकरार रखते हुये कलाइयों के साथ लेग-साइड से नीचे भेज दिया। हालाँकि, दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज़ों ने कोहली का अहम विकेट अपने खाते में दर्ज कराने के कई अन्य प्रयास भी किये मगर हर बार उन्हे मुंह की खानी पड़ी।

इस बीच कोहली को अहसास हुआ कि दूसरे छोर पर उनके पास साझेदारी निभाने वालों की संख्या में कमी आ रही है, इसे भांपने के बाद उन्होने आक्रामक रवैया अख्तियार कर लिया और स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाना शुरु कर दिया।

35वें ओवर में मार्को जानसन के हाथों आउट होने से पहले कोहली ने दर्शकों का

बढ़ते ऋण से राजस्व अंतर बन रहे ममता की राह में बाधा

बंगाल सबसे अधिक उत्सुकता से देखे जाने वाले राज्यों में से एक होगा, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए 2019 में अपनी सीटों की संख्या 18 से बढ़ाकर 2024 में 35 करने का लक्ष्य रखा है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना मैदान बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। यह देखना बाकी है कि क्या भाजपा भ्रष्टाचार और कई केंद्रीय एजेंसियों की जांच के मुद्दे पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के संगठनात्मक वर्चस्व को खत्म करने में सक्षम होगी या ममता बनर्जी का जादू फिर से काम करेगा जैसा कि 2021 के विधानसभा चुनावों में हुआ था। चुनावों के अलावा, मनी लॉन्ड्रिंग के विभिन्न मामलों में, विशेष रूप से स्कूलों में नौकरी के लिए करोड़ों रुपए के नकद मामले में, सीबीआई और ईडी की जांच की प्रगति पर सभी की उत्सुकता से नजर रहेगी। पर्यवेक्षकों के रडार पर अन्य कारक राजस्व की कम पीढ़ी और राज्य के बढ़ते संचित और प्रति व्यक्ति ऋण के कारण राज्य के वित्त की दयनीय स्थिति होगी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, अगले कैलेंडर वर्ष के पहले चार महीने यानी लोकसभा चुनाव से पहले की अवधि, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे भ्रष्टाचार मामलों के संबंध में बेहद महत्वपूर्ण

अपना मैदान बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी ममता

होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कथित स्कूल नौकरी घोटाले के सभी मामलों को कलकत्ता उच्च न्यायालय में वापस भेजते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि वह उच्च कोर्ट की विभिन्न पीठों के अंतिम फैसले तक इस मामले में कोई और हस्तक्षेप नहीं करेगा। वर्तमान में, क्रिसमस और साल के अंत की छुट्टियों के कारण कलकत्ता उच्च न्यायालय की नियमित पीठें काम नहीं कर रही हैं। लेकिन चूंकि अदालतें 2 जनवरी से काम फिर से शुरू कर देंगी, इस मामले में न्यायमूर्ति देबांशु बसाक और न्यायमूर्ति शब्बर रशीदी की खंडपीठ के साथ-साथ न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की एकल-न्यायाधीश पीठ दोनों में महत्वपूर्ण सुनवाई होनी है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इन कार्यवाहियों का गंभीरता से पालन किया जाएगा, क्योंकि सुनवाई के दौरान दिए गए निर्देश स्कूल नौकरी मामले में जांच के लिए निर्णायक क्षण साबित होंगे। दूसरा, सुप्रीम कोर्ट और कलकत्ता उच्च न्यायालय दोनों ने स्कूल नौकरी मामले में अपनी जांच पूरी करने के लिए सीबीआई और ईडी के लिए समय सीमा तय की है और अधिकारी अपनी समय सीमा को पूरा करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। दोनों एजेंसियों के वकीलों ने अदालतों को सूचित किया है कि जांच अंतिम चरण में है और जल्द ही समाप्त हो जाएगी।

मुस्लिम कॉलोनियों के लिए धन आबंटित करने में कुछ भी गलत नहीं : शिवकुमार

शिवकुमार ने शनिवार को राज्य में मुस्लिम कॉलोनियों के लिए 1,000 करोड़ रुपए के आबंटन पर विपक्ष द्वारा उठाई गई आपत्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से कहा, मैं आपको रामनगर शहर ले जाऊंगा। आप अल्पसंख्यकों की हालत खुद देख सकते हैं। यह फैसला उनकी आजीविका में सुधार के लिए लिया गया है।

अगर 1,000 करोड़ रुपए 224 विधानसभा क्षेत्रों में बांट दिए जाएं तो यह ज्यादा नहीं है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक अधिकतर शहरी इलाकों में रहते हैं और उन्हें मनरेगा योजना का लाभ नहीं मिलता है। जब भाजपा की इस आलोचना के बारे में पूछा गया कि फंड आबंटन अल्पसंख्यक तुष्टिकरण है, शिवकुमार ने कहा कि धन आबंटित करने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्हें शिकायत करते रहने दीजिए और हम गरीबों के लिए काम करना जारी रखेंगे। लोकसभा चुनाव पर उपमुख्यमंत्री ने

□ **विपक्ष द्वारा उठाई गई आपत्ति पर दी प्रतिक्रिया**

कहा कि वह 10 जनवरी को पार्टी नेताओं, विधायकों और एआईसीसी नेताओं के साथ तैयारी बैठक करेंगे। 4 जनवरी को अपने प्रस्तावित दिल्ली दौरे पर उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव को लेकर एक बैठक है। मंत्रियों ने उम्मीदवार चयन के बारे में रिपोर्ट दी है। एक सर्वेक्षण करने की जरूरत है, जिस पर चर्चा करने के लिए हम दिल्ली जा रहे हैं। मंत्री मधु बंगारप्पा के चेक बाउंस मामले के बारे में उन्होंने कहा कि जब कोई बिजनेस में होता है तो ऐसी चीजें होती रहती हैं। शिवकुार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और विधायकों को बोर्डों और निगमों में नियुक्तियों में बराबर हिस्सेदारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को बोर्डों और निगमों में नियुक्तियों में उनका उचित हिस्सा मिलेगा। पार्टी के सभी नेता बैठेंगे और इस पर चर्चा करेंगे। सूची को कुछ हद तक अंतिम रूप दिया गया है। केंद्रीय नेताओं ने कुछ वादे किए हैं। इस पर चर्चा की जरूरत है। संक्रांति उत्सव तक सूची को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अपनी शिकायतें लेकर हमारे दरवाजे पर आ रहे हैं।

नए साल से पहले मुंबई को दहलाने की धमकी, पुलिस कंट्रोल के पास आया धमकी भरा कॉल, आरोपी की तलाश

महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस कंट्रोल के पास शनिवार को एक धमकी भरा फोन कॉल आया. शाम करीब 6 बजे मुंबई पुलिस कंट्रोल को फोन कर एक अज्ञात शख्स ने मुंबई में सिलेसिलेवार बम धमाके करने की धमकी दी. इतना कहने के बाद कॉल कट कर दिया गया. फोन कॉल को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में आ गई. जिसके बाद मुंबई पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की. लेकिन अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है. फोन कॉल करने वाले शख्स की तलाश में जुटी पुलिस

वहीं नए साल पर लोगों की तैयारी को देखते हुए मुंबई पुलिस ने कड़ा बंदोबस्त किया है. वहीं शनिवार शाम को आई फोन कॉल के बाद पुलिस स्टेशन और क्राइम यूनिट्स को अलर्ट कर दिया गया है. मुंबई पुलिस फिलहाल फोन कॉल करने वाले का पता लगाने में जुटी हुई है और जानने की कोशिश में जुटी हुई है कि आखिर अज्ञात शख्स ने कॉल क्यों किया. आपको बता दें कि आज नए साल की पूर्व संध्या पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए राज्य रिजर्व पुलिस बल के साथ साथ-साथ क्यूआरटी के कर्मचारियों को तैनात किया गया है. इन स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम मुंबई पुलिस की तरफ से गेटवे ऑफ इंडिया, जुहू, दादर, बांद्रा, बैंडस्टैंड, मरीन ड्राइव मध व मार्वे के समुद्री तटों पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा. 11 हजार 500 पुलिस जवानों के साथ-साथ 22 पुलिस उपायुक्तों, 2051 अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है. वहीं नए साल की पूर्व संध्या पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंबई पुलिस भी हाई अलर्ट पर है. मुख्य सड़कों पर वाहनों की चेकिंग की जाएगी. हंगामा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. पहले भी मिल चुकी है धमकी आपको बता दें कि किसी अंजान शख्स द्वारा धमकी दिए जाने का ये कोई पहला मामला नहीं है. बल्कि इससे पहले भी मुंबई पुलिस के पास धमकी भरी फोन कॉल आते रहे है. ईमेल के द्वारा भी मुंबई में बम रखे जाने का दावा किया गया था.

अब अयोध्या से चलेगी BJP की सरकार, वहीं होगा PMO और पार्टी ऑफिस', संजय राउत का बीजेपी पर बड़ा तंज

22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. जिसको लेकर पहले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में निमंत्रण को लेकर सियासी संग्राम देखने को मिला था. वहीं अब 22 जनवरी को घर घर में राम ज्योति जलाने के बीजेपी के आवह्वान पर फिर राजनीति शुरू हो गई है. शिवसेना(UBT) सांसद संजय राउत ने इस प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घर घर में राम ज्योति जलाने के लिए बीजेपी की जरूरत नहीं है. राम इस देश की अस्मिता और संस्कृति है. राम पूरे देश और विश्व के हैं.

'अयोध्या से चलेगी बीजेपी की सरकार'

शिवसेना(UBT) सांसद संजय राउत ने आगे कहा कि अगर कोई एक पार्टी कहती है कि राम हमारे हैं तो वे राम को छोटा कर रहे हैं. हमारी पार्टी ने राम के लिए बलिदान दिया है. वहीं उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि अयोध्या से ही बीजेपी की सरकार चलेगी. पीएमओ से बीजेपी के ऑफिस तक सब अयोध्या से ही चलेगा.

'BJP श्रीराम को प्रत्याशी बना देगी'

आपको बता दें कि इससे पहले भी शिवसेना(UBT) सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई थी. बीजेपी पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने कहा था कि 22 जनवरी के बाद बीजेपी श्रीराम को पार्टी से प्रत्याशी बना देगी. वहीं राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने को लेकर जब संजय राउत सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था कि वो बीजेपी के इवेंट में नहीं जाएंगे, ये बीजेपी की रैली है. वे इस कार्यक्रम के बाद अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए जाएंगे.

अयोध्या में 22 जनवरी को होगा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को होगा. जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे. इसके साथ ही इस समारोह में शामिल होने के लिए 6 हजार से ज्यादा लोगों को निमंत्रण भेजा गया है. 15 जनवरी को रामलला के बालरूप की मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा.

आईएएस अधिकारी नितिन करीर बने नए मुख्य सचिव

ने मनोज सैनिक के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था। इसे मंजूरी नहीं मिलने के कारण नितिन करीर को मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। करीर को मुख्य सचिव के रूप में चुना गया है, लेकिन उनका कार्यकाल तीन महीने का होगा। वे 31 मार्च 2024 को सेवानिवृत्त होंगे। करियर के बाद आईएएस अधिकारी सुजाता सौनिक को मौका मिल सकता है। वे वर्तमान में महाराष्ट्र मेट्रो के एमडी का भी काम देख रहे थे। इसके पहले वह मुंबई के मास्टर प्लान बनाने में शामिल रह चुके हैं। तीन माह बढ़ा सकता है कार्यकाल करीर 1998 बैच के अधिकारी हैं। वर्तमान में वह वित्त विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत हैं। ऐसी संभावना है कि नितिन करीर की सेवानिवृत्ति 31 मार्च को है, इसलिए लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नितिन करीर को तीन महीने का विस्तार दिया जा सकता है। इससे पहले खबरें आई थीं कि राज्य कैबिनेट के कुछ सदस्य नितिन करीर के नाम पर जोर दे रहे थे। सूत्रों ने बताया कि कुछ मंत्रियों ने मुख्य सचिव पद के लिए नितिन करीर को मौका देने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से चर्चा की थी। नितिन करीर इससे पहले महाराष्ट्र सरकार के विभिन्न विभागों में काम कर चुके हैं। वह वर्तमान में वित्त विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत थे.

क्या शरद पवार 2024 में बने रहेंगे राजनीति के 'चाणक्य'?

स्थिति का अनुमान लगाने की क्षमता में महारत हासिल है। इसीलिए वे अपनी गुगली से विरोधी की गुल्ली बिखेर देते हैं। आध्यात्मिक गुरु सदागुरु श्री दयाल (डॉ. स्वामी आनंद जी) का अनुमान है कि शरद पवार नए साल में मार्च के अखिर तक अपनों के धोखों का शिकार बनेंगे, लेकिन इसके बाद उनकी लोकप्रियता में इजाफ और उछाल आए और फिर वे 16 मई तक चर्चा में रहेंगे। इसके 13 जुलाई तक की समय अवधि में वे बेहद अशक्त महसूस करेंगे। इसके बाद वह 14 जुलाई से 3 सितंबर के बीच मध्य उनकी सत्ता से नजदीकियां बढ़ेंगी। राह में आएंगी साजिशें आध्यात्मिक गुरु सदागुरु श्री दयाल (डॉ. स्वामी आनंद जी) का अनुमान है महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री नए साल की शुरुआत में विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। फरवरी और उसके बाद के महीनों में कई प्रतिकूल परिस्थितियों और चुनौतियों का उन्हें सामना करना पड़ेगा। शिंदे का न झुकने का स्वभाव उन्हें तनाव भी देगा। साल के मध्य में शिंदे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। मानसिक शांति भंग होगी। उन्हें गैरों के साथ अपनो से तनाव मुफ्त में मिलेगा। उनकी सरकार पर कई आरोप लगेंगे और विरोध उन पर हमलावर भी होंगे। इस दौरान आमजन में उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी। 2024 में शिंदे को साजिशों के दरिया को पार करना होगा ऐसे में वह महाराष्ट्र के राजनीति की बिसात पर फूंक-फूंककर मोहरे चलते नजर आएंगे, अनुमान है कि विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदल लेंगे

पृष्ठ 1/8 का शेष

मोदी ने 2024 की

शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, ₹ 'मन की बात' यानी आपसे मिलने का शुभ अवसर और जब आप अपने परिवार वालों से मिलते हैं तो कितना सुख होते हैं, कितना संतुष्टिदायक होता है। 'मन की बात' के माध्यम से आपसे मिलकर मुझे यही महसूस हो रहा है और निःसंदेह अब इस मुकाम पर पहुंचकर हमें नए सिरे से, नई ऊर्जा के साथ, तेज गति से आगे बढ़ने का संकल्प लेना है। यह कितना सुखद संयोग है कि कल का सूर्योदय 2024 का पहला सूर्योदय होगा - हम वर्ष 2024 में प्रवेश कर चुके होंगे। आप सभी को 2024 की हार्दिक शुभकामनाएँ।"

महाराष्ट्र से गुजरात गया

और लिखा, 'पूरे महाराष्ट्र को गुजरात ले चलो, बाबा। बेरोजगारी बढ़ने दीजिए।' शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने भी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस सरकार का ध्येय पहले गुजरात का विकास, फिर देश का विकास है। महाराष्ट्र के किसी नेता में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह महाराष्ट्र से जाने वाले प्रॉजेक्ट का विरोध कर सके। महाराष्ट्र से पनडुब्बी पर्यटन परियोजना को गुजरात ले जाने का विरोध कांग्रेस के नेता और विधान परिषद में नेता विपक्ष विजय वडेट्टीवार ने भी महाराष्ट्र से पनडुब्बी पर्यटन परियोजना को गुजरात ले जाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक कई परियोजनाओं को महाराष्ट्र से गुजरात ले जाना केंद्र सरकार का महाराष्ट्र के प्रति उसके रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में महाराष्ट्र के प्रति इतनी भी जवाबदारी नहीं बची है कि वह इसका विरोध करे।

महाराष्ट्र में बारिश से

पश्चिम और मध्य भारत के कई हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है. अगले दो दिनों में मध्य और उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरने की भी संभावना है. अभी कहां कितना है तापमान वहीं इस समय अगर तापमान की बात करें तो औरंगाबाद में 18.2 डिग्री सेल्सियस तापमान है. वहीं कोल्हापुर में भी 18.2 डिग्री सेल्सियस, महाबलेश्वर में 16.6 डिग्री सेल्सियस, मुंबई में 21.8 डिग्री सेल्सियस, पुणे में 15.4 डिग्री सेल्सियस, नांदेड़ में 18.8 डिग्री सेल्सियस तापमान है. 48 घंटे के अंदर बारिश की संभावना मौसम विभाग के अनुसार, आज यानि रविवार से 48 घंटे तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. हिंद महासागर और दक्षिणपूर्व अरब सागर के ऊपर बन रहे बादलों की वजह ले पूरे राज्य के मौसम पर असर पड़ने वाला है. इसके साथ ही मौसम विभाग ने 3 जनवरी तक दक्षिण तमिलनाडु, दक्षिण केरल और लक्षद्वीप के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. जिससे सर्दी आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है.

नए साल पर मीरा-भाईंदर में

टीकाकरण शुरू होगा। इसके लिए 7 विशेष टीमों का गठन किया गया है। इसके अलावा, 20 मनपाकर्मियों का मुहिम में सहयोग लिया जाएगा। डॉ. विक्रम ने बताया कि इस मुहिम में पालतू जानवरों के लिए काम करने वाली एक सामाजिक संस्था भी उनका सहयोग करेगी। 20 हजार कुत्तों का होगा टीकाकरण फिलहाल, मीरा-भाईंदर मनपा के पास शहर में आवारा कुत्तों की संख्या का कोई आंकड़ा नहीं है। पशुप्रेमी पूनम सावंत का कहना है कि शहर में लगभग 30 हजार आवारा कुत्ते होंगे। डॉ. विक्रम ने बताया कि मनपा की तैयारी लगभग 20 हजार टीकाकरण की है। कुत्तों की संख्या बढ़ने पर और भी टीकाकरण किया जाएगा। इसके अलावा, कुत्तों की नसबंदी की भी योजना बन रही है। आवारा कुत्तों की संख्या में इजाफा कोरोना काल के बाद से शहर में आवारा कुत्तों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसके साथ कुत्तों के काटने की घटना भी बढ़ी है। गोल्डन नेस्ट निवासी गिरधर सिंह बताते हैं कि गुरुवार को बीपी रोड पर आवारा कुत्ते ने एक लड़के को घायल कर दिया। एक आंकड़े के मुताबिक, शहर में कुत्तों के काटने के रोजाना दो दर्जन से अधिक मामले आते हैं। पालतू जानवरों के प्रति मनपा असंवेदनशील पशुप्रेमी नरेंद्र गुप्ता कहते हैं कि कुत्ते-बिल्ली जैसे पालतू जानवरों के मनपा प्रशासन असंवेदनशील है और उनकी योजनाएं केवल कागजों पर हैं। टीकाकरण, नसबंदी, घायल प्राणियों का इलाज, दहन/दफ़्नभूमि के प्रति मनपा का रवैया उदासीन है। उन्होंने कहा कि पशु वैधकीय विभाग को और दक्ष होने की आवश्यकता है।

सीट बंटवारे को लेकर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और कांग्रेस शामिल हैं.

प्रकाश आंबेडकर MVA में होंगे शामिल? वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर को एमवीए में शामिल किए जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, राउत ने कहा, ''हमारे और आंबेडकर के बीच सब कुछ ठीक है. वह एक अच्छे वक्ता हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं.'' राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से कुछ दिन पहले अयोध्या में विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत को लेकर राउत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) अब अयोध्या से काम करेगा.

नए साल से पहले ठाणे पुलिस की बड़ी रेड, रेव पार्टी से 90 लड़कों और 5 लड़कियों को पकड़ा, नशीले पदार्थ भी बरामद

नए साल से पहले ठाणे में ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने एक प्राइवेट प्लॉट में चल रही रेव पार्टी पर छापेमारी करते गुए 90 लड़कों और 5 लड़कियों को हिरासत में लिया है. इस रेव पार्टी में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए थे. रेव पार्टी में एलएसडी 0.41 ग्राम, 70 ग्राम चरस, गांजा के साथ चिलम, शराब जैसी कई नशीली पदार्थ उपलब्ध करवाए गए थे. 2 युवकों ने किया था रेव पार्टी का आयोजन पुलिस जांच के दौरान पता चला है कि इस रेव पार्टी का आयोजन 2 युवकों की तरफ से किया गया था. जिसमें से एक की उम्र 19 साल और दूसरे की उम्र 23 साल है. ये दोनों युवक कलावा और डोंबिवली के रहने वाले हैं. इसके साथ ही पुलिस ने 29 दोपहिया वाहनों को भी जब्त किया है. हिरासत में लिए गए युवकों को ठाणे के सिविल हॉस्पिटल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया

गया है. नए साल की पूर्व संध्या पर पुलिस अलर्ट नए साल की पूर्व संध्या पर भी ठाणे पुलिस अलर्ट मोड पर है. घोड़बंदर रोड पर कासारवडवली गांव के पास रेव पार्टी करने वाले 100 लोगों के खिलाफ ठाणे क्राइम ब्रांच ने की कार्रवाई है. पुलिस को शक है कि इस पार्टी में चरस, गांजा, शराब, एमडी जैसे कई तरह के नशीले पदार्थों का सेवन किया जा रहा था. सूचना के आधार पर पुलिस उपायुक्त अपराध शाखा के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में रविवार सुबह 3 बजे के करीब छापेमारी की गई. वडवली खाड़ी तट पर एक रेव पार्टी चल रही थी. युवक नशे की हालत में डीजे की धुन पर डांस कर रहे थे. पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करते हुए उनसे 0.41 ग्राम एलएसडी, 70 ग्राम चरस, 200 ग्राम गांजा और बीयर के साथ-साथ वाइन और व्हिस्की भी बरामद की.

महाराष्ट्र में बारिश से होगा नए साल का स्वागत, IMD ने जारी किया अलर्ट

महाराष्ट्र में शीतलहर के प्रकोप से ठंड का कहर बढ़ता जा रहा है. इसी बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की संभावना जताई है. जिसकी वजह से 48 घंटों के अंदर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर बारिश की संभावना है. अगर बारिश होती है जो तापमान में गिरावट आने से ठंड और बढ़ने वाली है. इससे पहले पिछला सप्ताह भी राज्य में काफी ठंडा रहा लेकिन क्रिसमस के बाद तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखी गई. लेकिन अब फिर पारा नीचे गिरने लगा है और ठंड बढ़ रही है. ठंडी हवाओं से बढ़ी सर्दी उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं की वजह से महाराष्ट्र में भी मौसम बदलता जा रहा है. मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए उत्तर शेष पृष्ठ 7 पर

महाराष्ट्र में कोरोना के आंकड़ों ने डराया! राज्य में 131 नए मामले, 701 एक्टिव केस

महाराष्ट्र में हर दिन कोरोना (Coronavirus) के नए मामले सामने आ रहे हैं. महाराष्ट्र में रविवार को 131 नए मामले सामने आए हैं. इसके साथ ही एक्टिव केस की संख्या राज्य में 701 हो गई है जिसने चिंता बढ़ा दी है. वहीं, जेएन.1 वैरिएंट के भी मामले बढ़ गए हैं जो कि बढ़कर 29 हो गए हैं. राज्य में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस ठाणे में हैं. ठाणे में कोरोना के 190 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि मुंबई में अब तक 137 और पुणे में 126 मामलों को पुष्टि हुई है.

महाराष्ट्र में कोरोना की रोकथाम के लिए एक नए टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है जिसकी अध्यक्ष आईसीएमआर के पूर्व चीफ डॉ.रमन गंगाखेडकर कर रहे हैं. इस टास्क फोर्स में सात सदस्य हैं. पिछले एक

सप्ताह से महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है.

देश में 841 नए मामले दर्ज किए गए उधर, जेएन.1 के सबसे ज्यादा मामले पुणे में दर्ज किए गए हैं. यहां जेएन.1 केस की संख्या 15 है. इस वैरिएंट का पहला मामला केरल से आया था. यहां 79 वर्षीय महिला को इससे संक्रमित पाया गया था. उधर, रविवार को देश में कोरोना के 841 नए मामले सामने आए हैं जो कि पिछले सात महीने में एक दिन का सबसे बड़ा आंकड़ा है. यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से दिया गया है.

केंद्र की ओर से राज्यों को जारी की गई है एडवाइजरी

कोरोना जिस तेजी से पांव पसार रहा है. वैसे में केंद्र की ओर से राज्यों को एडवाइजरी भी जारी की गई है. राज्यों से कहा गया है

कि वे जिलेवार मामलों पर नजर रखें. साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों से नियमित रूप से इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी और स्वसन संबंधी बीमारी की जानकारी जुटाएं. बताया जा रहा है कि क्रिसमस के अवसर पर भीड़भाड़ के कारण भी कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है. वहीं नए साल के मौके पर केस बढ़ने की आशंका जताई जा रही है क्योंकि लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से टूरिस्ट स्पॉट का रुख करते हैं.

महाराष्ट्र से गुजरात गया पनडुब्बी प्रॉजेक्ट? सत्ता-विरोधियों के बीच तीखी नोकझोंक, मुख्यमंत्री की सफाई

मुंबईः विपक्ष ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र का एक और बड़ा प्रॉजेक्ट गुजरात जा रहा है। यह प्रॉजेक्ट कोकण के सिंधुदुर्ग जिले में समुद्र के भीतर पनडुब्बी पर्यटन प्रॉजेक्ट से जुड़ा है। इस प्रॉजेक्ट की लागत तकरीबन 56 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रॉजेक्ट का उद्देश्य पानी के नीचे की दुनिया को समझाना था, लेकिन कहा जा रहा है कि यह प्रॉजेक्ट अब गुजरात सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। हालांकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष के इस आरोप को झूठा करार दिया है। उन्होंने कहा है कि जनता को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। पनडुब्बी पर्यटन प्रॉजेक्ट कहीं नहीं जाएगा। बता दें कि सिंधुदुर्ग जिले के पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए साल 2018 में एक पनडुब्बी पर्यटन परियोजना घोषित की गई थी। देश का यह पहला पनडुब्बी पर्यटन प्रॉजेक्ट निवाती रॉक्स के पास समुद्र में बनना था। इस परियोजना का उद्देश्य पानी के नीचे की दुनिया का पता लगाना था। इस पनडुब्बी परियोजना में पर्यटक समुद्र के

नीचे की अद्भुत दुनिया देख सकते थे। यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए रोजगार भी पैदा करने वाली थी, जो सालाना 150 से 200 करोड़ रुपये का हो सकता है।

प्रॉजेक्ट महाराष्ट्र से गुजरात की ओर जा रहे अब कहा जा रहा है कि गुजरात सरकार की ओर से मझगांव डॉकयार्ड द्वारका के समुद्र में इस पनडुब्बी परियोजना को लागू करने जा रही है। जनवरी में वाइब्रेट गुजरात समिट में इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। एनसीपी शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने कहा,'एक के बाद एक प्रॉजेक्ट महाराष्ट्र से गुजरात की ओर जा रहे हैं, लेकिन हमारी सरकार आंखों पर पर्दा डालकर और कानों पर हाथ रखकर ऐसे दिखा रही है, जैसे कुछ नहीं हुआ है। इसे कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है? हम और कितने दिन तक ये खबर पढ़ते रहेंगे कि प्रॉजेक्ट महाराष्ट्र से गुजरात ट्रांसफर हो गया है। आव्हाड ने भी सरकार को घेरा

विधायक जितेंद्र आव्हाड ने भी सरकार को घेरा शेष पृष्ठ 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्यालय - धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्यालय - शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486